No. of Printed Pages : 8

EPA-005

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP)

Term-End Examination

05815

June, 2019

ELECTIVE COURSE : PUBLIC ADMINISTRATION

EPA-005 : FINANCIAL ADMINISTRATION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

(Weightage : 70%)

Note : *Answer the questions as per the instructions given in each section.*

SECTION I

*Answer any **two** of the following questions in about 500 words each. Each question carries 20 marks.*

1. Discuss the scope of financial administration in India. *20*

2. Describe the various determinants of public expenditure. *20*

3. Examine the advantages and limitations of deficit financing. *20*

4. Discuss the duties and powers of the Comptroller and Auditor General with regard to accounts and audit. *20*

SECTION II

*Answer any **four** of the following questions in about 250 words each. Each question carries 12 marks.*

5. Explain the objectives of fiscal policy. *12*

6. Briefly describe indirect taxes. *12*

7. Write a note on Committee on Public Undertakings. *12*

8. Discuss the principles of urban local finance. *12*

9. Distinguish between developmental and non-developmental expenditure. *12*

10. Highlight the sources of revenue of rural government in India. *12*

11. Explain the evolution of budgetary system in India. *12*

12. Discuss the significance of financial administration. *12*

SECTION III

*Answer any **two** of the following questions in about 100 words each. Each question carries 6 marks.*

13. "Public debt can be classified in many ways." Discuss. *6*

14. Enumerate the concept of financial autonomy. *6*

15. Define accounting and discuss its importance. *6*

16. What are the functions of Estimates Committee ? *6*

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2019

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : लोक प्रशासन
ई.पी.ए.-005 : वित्तीय प्रशासन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

(कुल का : 70%)

नोट : *प्रत्येक भाग में दिए गए निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

भाग I

*निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए । प्रत्येक प्रश्न के 20 अंक हैं ।*

1. भारत में वित्तीय प्रशासन के कार्यक्षेत्र की चर्चा कीजिए । *20*

2. सार्वजनिक व्यय के विभिन्न निर्धारकों का वर्णन कीजिए । *20*

3. घाटे के वित्तीयन के लाभों और सीमाओं का परीक्षण कीजिए । *20*

4. नियंत्रक तथा महालेखा-परीक्षक के लेखाओं और लेखा-परीक्षण से संबंधित कर्तव्यों एवं शक्तियों की चर्चा कीजिए । *20*

भाग II

*निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए । प्रत्येक प्रश्न के 12 अंक हैं ।*

5. राजकोषीय नीति के उद्देश्यों की व्याख्या कीजिए । *12*

6. अप्रत्यक्ष करों का संक्षेप में वर्णन कीजिए । *12*

7. सार्वजनिक उपक्रम समिति पर एक टिप्पणी लिखिए । *12*

8. शहरी स्थानीय वित्त के सिद्धांतों की चर्चा कीजिए । *12*

9. विकासात्मक तथा ग़ैर-विकासात्मक व्यय में अंतर स्पष्ट कीजिए । *12*

10. भारत में ग्रामीण शासन के राजस्व के स्रोतों पर प्रकाश डालिए । *12*

11. भारत में बजट व्यवस्था के क्रमविकास की व्याख्या कीजिए । *12*

12. वित्तीय प्रशासन के महत्त्व की चर्चा कीजिए । *12*

भाग III

*निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए । प्रत्येक प्रश्न के 6 अंक हैं ।*

13. "सार्वजनिक ऋण का वर्गीकरण कई तरह से किया जा सकता है ।" चर्चा कीजिए । *6*

14. वित्तीय स्वायत्तता की अवधारणा का उल्लेख कीजिए । *6*

15. लेखाशास्त्र को परिभाषित कीजिए और इसके महत्त्व की चर्चा कीजिए । *6*

16. आकलन समिति के कार्य क्या हैं ? *6*